केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 81 सोमवार 14 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

बाबा सिद्दीकी हत्याकाण्ड में दो गिरफ्तार

मुम्बई (आभा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित गुट के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मार कर हत्या कर दी गई है। उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर ही हमलावरों द्वारा उनके ऊपर फायरिंग की गई, जिसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभी तक पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट में यह बताया कि इन तीन के अलावा एक और आरोपी भी शामिल है।

पकड़े गए दोनों आरोपियों को पुलिस मुंबई के किला कोर्ट लेकर गई है। यहां पर पुलिस ने कोर्ट से आरोपियों के लिए 14 दिन की रिमांड की मांग की है। वहीं आरोपियों में से एक धर्मराज कश्यप ने अपने आप को नाबालिग बताया है। हालांकि पुलिस के मुताबिक आरोपी के आधारकार्ड में उसकी उम्र 21 साल है।

आरोपी और उसके वकील के बार–बार कहने पर पुलिस उसकी अस्थि जांच के लिए तैयार हो गई है।

रविवार सुबह ही लॉरेंस गैंग ने इस घटना की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके ली। आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि वे करीब दो महीने से उनकी रेकी कर रहे थे। इस घटना के बाद सलमान खान की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इन दोनों आरोपियों के पास से पुलिस को 28 जिंदा कारतूस मिले हैं। सिद्दीकी को करीब 15 दिन पहले मारने की धमकी दी गई थी। उन्हें वाई लेवल की सुरक्षा मिली थी।

एक नजर

भोर तक हुआ 1427 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के ग्रामीण क्षेत्र की 1427 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित स्थलों पर रविवार भोर तक हुआ। सरयू, कुआनो, मनवर, बिसुही, आमी व अन्य प्रमुख तालाबों व नहरों के किनारे विसर्जन हुआ। विसर्जन स्थल पर मजिस्ट्रेट के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। शनिवार शाम को श्रद्धालुओं ने स्थापित प्रतिमाओं को आरती कर नम आंखों से विदाई दी। भजनों की धुन पर नाचते–गाते विसर्जन स्थल पहुंचे। जहां पर फिर से आरती कर मां से सुख–समृद्धि व शांति की कामना करते हुए विदाई दी।

प्रतिमा विसर्जन में शामिल युवक की हादसे में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थानाक्षेत्र में दशहरा की देर रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल होने गए युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। इसी थाने के खैराटी गांव में स्थापित दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन भौरा स्थित पोखरे में किया जाना था। खैराटी गांव के 18 वर्षीय युवक लक्ष्मण चौहान पुत्र बाबूलाल चौहान भी अपने गांव के दोस्तों के साथ भौरा पोखरे पर आया था। लोगों के अनुसार रास्ते में अबीर कम पड़ गया। लक्ष्मण बाइक से अबीर लेने के लिए नगहरा जा रहा था। अभी वह हसिया देवरी के आमचानी गांव के मोड़ पर पहुंचा था कि किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को ठोकर मार दिया। जिसमें लक्ष्मण गम्भीर रूप से घायल हो गया। इसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी होने पर परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

ओमप्रकाश चौधरी अध्यक्ष, डा. सुरेन्द्र प्रसाद महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरदार पटेल स्मारक संस्थान बस्ती (कुर्मी बोर्डिंग) कार्यकारिणी का चुनाव अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी की देखरेख में संस्थान के सभागार में सम्पन्न हुआ। ओम प्रकाश चौधरी अध्यक्ष, डा. राजेन्द्र प्रसाद वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमित चौधरी कनिष्ठ उपाध्यक्ष, डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी महामंत्री, चौ. राजेश कुमार निराला मंत्री, रामजी चौधरी कोषाध्यक्ष बनाये गये। इनके अलावा 25 अन्य को जिम्मेदारियां दी गईं। निर्वाचन के उपरान्त अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी ने कहा कि नव निर्वाचित कार्यकारणी के सहयोग से छात्रावास व पुस्कालय को और ज्यादा उपयोगी बनाने का प्रयास होगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. राजेन्द्र प्रसाद वर्मा एवं कनिष्ठ उपाध्यक्ष अमित चौधरी ने कहा कि संस्थान के विकास के लिये हर संभव प्रयास होगा और योगदान दिया जायेगा। महामंत्री डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि पूर्वांचल की गौरवशाली संस्था जनोपयोगी बनाने के लिये सभी सदस्यों, पदाधिकारियों के साथ मिलकर सार्थक प्रयास किये जायेंगे। इस मौके पर जयंत चौधरी, रजनीश पटेल, सुखराम पटेल, श्यामलाल चौधरी, इंजी. भगवान चौधरी, मनोज कुमार चौधरी, जनेश्वर चौधरी, कमलेश कुमार चौधरी, इंजी. विक्रम चौधरी, रामशिरोमणि चौधरी, ध्रुवचंद चौधरी, रामकमल चौधरी, विरेन्द्र कुमार चौधरी, धर्मदेव चौधरी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, डा. श्यामनरायन चौधरी, अवनि कु. चौधरी, राकेश चौधरी, अद्यासरन चौधरी, प्रेमचंद पटेल, इंजी. राजेन्द्र पटेल, विद्यासागर चौधरी, झिनकान चौधरी, गौरव पटेल, तुलसीराम वर्मा, सुजीत कु. चौधरी, रोहित चौधरी, रामकृपाल चौधरी, भानुप्रताप चौधरी, शीतला पटेल, राजमणि चौधरी, विजय कु. सिंह, माधव प्रसाद वर्मा, राधेश्याम वर्मा, रामतेज चौधरी आदि मौजूद रहे।

ज्योति यात्रा में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आस्था का महापर्व ज्योति यात्रा कंपनीबाग से निकली। यात्रा में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ी। कोविड के बाद 23वें वर्ष श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। कंपनी बाग कमल सेन, रजत सेन, हिमांशु सेन, पवन मल्होत्रा, मुकेश मल्होत्रा व अन्य लोगों ने आनंद भूषण महराज के नेतृत्व में वैदिक मंत्रों के बीच पूजा–अर्चना किया। उसके बाद श्रद्धा व विश्वास के साथ ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। मां भगवती की आरती कर ज्योति की यात्रा आगे बढ़ी। फूलों से सजे रथ को श्रद्धालु खींचते हुए आगे लेकर चल रहे थे।

कंपनी बाग शिवमंदिर पर हुई विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती का काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। सजे मंच पर मथुरा की रासलीला का दर्शकों ने कई घंटे तक आनंद उठाया तो राजस्थान के लोक नृत्य की छटा देखते बन रही थी। सिर पर गागर के साथ जल रही लौ को लेकर नृत्य लोगों को लुभा रहा था। वहीं पंजाब के तरनतारन से आया गतका का दल जब अपना स्टंट प्रारंभ किया तो देखने वाले लोग दंग रह गए। इसके अलावा राजस्थान का कालबेलिया, झूमर, भभई, सरई, चरकला नृत्य का प्रदर्शन हुआ। चौधरी भूपेन्द्र सिंह, पवन मल्होत्रा, हिमांशु सेन, दिनेश पाल, अखिलेश शुक्ल, सुखराम, बलवंत सिंह, जयप्रकाश अरोरा, ओमप्रकाश अरोरा, साहब सिंह सैंकी, विनोद सचदेवा, राय अंकुरम श्रीवास्तव, रमेश बहादुर सिंह, अमित सिंह, तेजप्रताप सिंह सिंह, सिम्पी सिंह, अुकंर वर्मा, नपा अध्यक्ष नेहा वर्मा, सरदार हरि सिंह बबलू, मनमोहन काजू, दयाराम, विधायक सदर महेन्द्रनाथ यादव आदि शामिल हुए।

कांग्रेस नेता महेन्द्र ने किया बस्ती शहर और नगर पंचायतों को सिटी बस सेवा से जोड़ने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने परिवहन मंत्री से मांग किया है कि जिला मुख्यालय से दूर के नगर पंचायतों को जोड़ने के लिये परिवहन बसों की सिटी बस सेवा शुरू किया जाय।

पत्र में कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा है कि गायघाट, बनकटी, बभनान, रूधौली, मुण्डेरवा आदि नगर पंचायतें जिला मुख्यालय से दूर है और परिवहन की समुचित व्यवस्था न होने के कारण नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि इन रूटों पर सिटी बस सेवाओं का संचालन कराया जाय तो लोगों को सुविधा होगी। निजी वाहन टेम्पो, टैक्सी आदि मनमाना किराया वसूलते हैं और समय पर पहुंचाते भी नहीं। अप्रशिक्षित चालकों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होने यह भी मांग किया कि रेलवे स्टेशन से ओपेक चिकित्सालय, मेडिकल कालेज होते हुये कचहरी तक सिटी बस सेवा शुरू किया जाय। इससे लोगों को आवागमन में जहां सुविधा होगी वहीं परिवहन विभाग के आय में भी वृद्धि होगी।

धरना स्थल से ठाकुर प्रेम नन्दबंशी के गिरफ्तारी की निन्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनहित के सवालों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना दे रहे राष्ट्रीय पिछडा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दबंशी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां जमानत न मिलने के कारण उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने पुलिस के इस कार्रवाई की कड़े शव्दों में निन्दा करते हुये कहा कि लोकतंत्र में जनहित के सवालों को लेकर धरना प्रदर्शन मौलिक अधिकार है। यदि पुलिस धरना देने वालों को जेल भेजती रही तो आम आदमी के मुद्दों को कौन उठायेगा। आर.के. आरतियन ने कहा कि अच्छा हो कि जिला प्रशासन नेताओं को जेल भेजने की जगह समस्याओं का प्रभावी समाधान कराये जिससे धरना प्रदर्शन की स्थितियां ही न बने। यदि लोगों को न्याय मिल जाता तो राष्ट्रीय पिछडा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दबंशी को धरना देने की जरूरत ही क्या थी। उन्होने कहा कि अच्छा हो कि जिलाधिकारी के साथ ही अन्य उच्चाधिकारी इसे गंभीरता से लें और जनता के जिन सवालों को लेकर ठाकुर प्रेम नन्दबंशी धरना दे रहे थे उसका समाधान कराया जाय।

दिव्यांग छात्रों में किया स्कूली ड्रेस का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के बसिया के ग्राम प्रधान विजय चौधरी ने ज्ञानोदय शिक्षण प्रशिक्षण संस्था बसिया के 15 दिव्यांग छात्रों में स्कूल ड्रेस और खाद्य सामग्री देकर छात्रों का हौसला बढाया। कहा कि दिव्यांग अब अनेक क्षेत्रों में निरन्तर प्रगति का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

संस्था के प्रबंधक सूर्यभान चौधरी ने बताया कि ज्ञानोदय शिक्षण प्रशिक्षण संस्था को जन सहयोग से संचालित किया जा रहा है। 15 छात्रों को आवासीय शिक्षा उपलब्ध करायी जा रही है और 4 शिक्षक उन्हें शिक्षा दे रहे हैं। संस्था का उद्देश्य दिव्यांग छात्रों को सफलता के नये आकाश से जोड़ना है।

दिव्यांग छात्रों में स्कूल ड्रेस वितरण के दौरान मुख्य रूप से शैलेन्द्र कुमार, कोकिला मिश्र, चन्द्रभान चौधरी, प्रदीप कुमार के साथ ही स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

समर्थ गुरू की पहल से उच्च शिक्षा का आसमान छू रही हैं बस्ती की दो बेटियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 'कौन कहता है आसमाँ में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों'– दुष्यंत कुमार की इन पंक्तियों को चरितार्थ कर रहे हैं जनता इण्टर कालेज बारीघाटा में शिक्षक प्रवीन गुप्त। इनके अथक प्रयास से गरीब छात्रों के चेहरों पर हौसलो की उड़ान अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचने लगी है। उनके अभिभावकों के चेहरों पर आर्थिक मुश्किलों के बीच उम्मीदों का नया आसमान तैरने लगा है।

बस्ती जनपद के लालगंज क्षेत्र के जनता इण्टर कालेज के नागरिक शास्त्र प्रवक्ता प्रवीन कुमार गुप्त की पहल ने इसी विद्यालय की आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर दो होनहार छात्राओं की पढ़ाई का रास्ता आसान कर दिया।

प्रवीन कुमार गुप्त ने वर्ष 2023 में विद्यालय के प्रधानचार्य रहते इण्टर के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु आवश्यक सीयूईटी परीक्षा की तैयारी हेतु अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ किया और स्वयं ही कक्षाएं लेने लगे। इसी बीच प्रशासनिक व्यस्तताओं के चलते जब कक्षाएं लेने में बाधा आने लगी तो उन्होंने प्रधानाचार्य के पद से त्यागपत्र देकर पुनः शिक्षण कार्य में जुट गए। जिसका परिणाम यह हुआ कि सीसूईटी और यूजी परीक्षा देने वाले 5 छात्राओं में से एक अंजली पुत्री राम शंकर का राजनीति विज्ञान में 100: अंको के साथ का देश के सर्वश्रेष्ठ कालेज– हिन्दू कालेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) में स्नातक में सीट आवंटित हुई। एक और छात्रा रंजन पाण्डेय पुत्री अशोक कुमार पाण्डेय का राजनीति विज्ञान में 97: अंको के साथ देश के दूसरे सर्वश्रेष्ठ कालेज–मिरांडा हाउस(दिल्ली विश्वविद्यालय) में स्नातक पाठ्यक्रम में सीट आवंटित हुई । इसके साथ ही 2 अन्य छात्राओं क्रमशः संगम और वंदना को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम में सीट आवंटित हो गई।

-आर्थिक संकट के बीच अंजली और रंजन पाण्डेय का चयन
-रंग ला रही है शिक्षक प्रवीन गुप्त की सृजनात्मक पहल

देश के दो सर्वश्रेष्ठ कालेज में ग्रामीण पृष्ठभूमि के इन प्रतिभावन किंतु आर्थिक रुप से अत्यन्त कमजोर दो छात्राओं क्रमशः अंजली और रंजन पाण्डेय के चयन के बाद इन बच्चियों के सामने सबसे बडी समस्या कालेज की फीस, हॉस्टल और दिल्ली में अन्य खर्चों के लिए धन की कमी थी। ऐसी स्थिति में विद्यालय के प्रवक्ता प्रवीन गुप्त ने पुनः दोनों के फीस जमा करने और दिल्ली में रहने और अन्य खर्चों के लिए धन की व्यवस्था करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने अपने शुभ चिंतकों, मित्रो जनपद के अन्य शिक्षकों और। समाजसेवीयों से इन होनहार छात्राओं के आर्थिक मदद की अपील कीउनके इस पुनीत कार्य में डिब्रूगढ विश्वविद्यालय, असम के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एस एस दास, विद्यालय के सहायक अध्यापक शंभूनाथ, नितिन भट्ट, शैलेंद्र कुमार, श्रीमती प्रतिमा, दिलेश्वरी इण्टर कालेज रूधौली के प्रधानाचार्य अरूण कुमार मिश्र, देशराज नारंग इण्टर कालेज के प्रवक्ता श्री राम रक्षा ने पूरा सहयोग दिया।

गुरू को भारतीय मनीषा में इसीलिये सर्वोच्च स्थान है कि गुरू कृपा हो जाय तो कुछ भी असंभव नहीं रहता। उम्मीद है कि उनके मार्ग दर्शन में जनता इण्टर कालेज के अनेक छात्रों का भविष्य संवरेगा और उम्मीदों को उपलब्धियों का नया आकाश मिलेगा। स्थान, स्थिति, परिस्थिति के द्वंद में एक नया सूरज उगेगा, अंधकार छटेगा, ज्ञान के प्रकाश से जीवन संवरेगा। यदि स्थानीय और शासन स्तर पर सहयोग की पहल हो तो कई चेहरों पर मुस्कान आ सकती है।

सलमान खान की सुरक्षा बढाई गयी

मुम्बई (आभा)। बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद सलमान खान और उनका परिवार काफी परेशान है। सलमान और उनके घर की सुरक्षा बढ़ाने की खबरें पहले ही आ चुकी हैं। अब हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है तो सलमान के चाहनेवालों की चिंता और बढ़ गई है। सलमान के घर पर सख्त पहरा है और परिचितों को भी आने के लिए मना किया गया है। बताया जा रहा है कि बाबा सिद्दीकी के गुजरने के बाद से सलमान काफी बेचैन हैं।

उन्होंने कुछ दिनों तक सारे पर्सनल कमिटमेंट्स कैंसल कर दिए हैं।

बाबा सिद्दीकी के मर्डर की जिम्मेदारी लेने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शुबू लोणकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है कि जो भी सलमान खान या दाऊद गैंग की मदद करेगा उसे अपना हिसाब–किताब लगा के रखना पड़ेगा। हत्याकांड के बाद सलमान खान और उनके घर की सिक्योरिटी टाइट कर दी गई है। गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सिक्योरिटी गार्ड्स तैनात कर दिए गए हैं। सलमान के परिचितों से रिक्वेस्ट की गई है कि वे मिलने न आएं।

जयन्ती पर याद किये गये पूर्व सांसद वृजभूषण तिवारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी चिन्तक पूर्व सांसद बृजभूषण तिवारी को उनके 83 वें जन्म दिन पर याद किया गया। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर रविवार को आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने वृजभूषण तिवारी के संघर्ष और योगदान को रेखांकित किया, कहा कि वे रचनात्मक प्रतिरोध का आदर करते थे। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बृजभूषण तिवारी की राजनीति जनता के साथ शुरू होती है। वे सत्ता और सुविधा के लिए कभी नहीं दौड़े, वे छात्र जीवन से ही डा. राममनोहर लोहिया के निकट थे और लोहिया जी ने वृजभूषण तिवारी को सम्बोधित पुस्तक लिखा जिसमें युवा पीढी के अपेक्षाओं को रेखांकित किया गया है। उन्हें राजनीति, आध्यात्म का गहन ज्ञान थे और उनका पूरा जीवन समाजवादी विचारधारा को आगे बढाने में समर्पित रहा। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि अपनों में गुरूजी के नाम से लोकप्रिय वृजभूषण तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने का तरीका बताया। वे गहन अध्ययन करते थे और रामायण, महाभारत, कुरान, बाईबिल आदि से जब उदाहरण प्रस्तुत करते तो चाहे संसद हो या कार्यकर्ताओं के बीच उनका सम्बोधन लोगों को प्रेरणा देता था। वे विरले सांसद थे जो सहजता से पैदल चलते या रिक्शे पर बैठकर शहर में घूमने के साथ ही किसी कार्यकर्ता के मिलने पर रूक जाते थे।

–सत्ता और सुविधा के लिए कभी नहीं दौड़े वृजभूषण तिवारी–महेन्द्रनाथ यादव

सपा के वरिष्ठ नेता दयाशंकर मिश्र, वृजेश मिश्र, जावेद पिण्डारी, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे' जमील अहमद आदि ने कहा कि युवा पीढी को वृजभूषण तिवारी से प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा। कहा कि सहजता और कार्यकर्ताओं को हर स्तर पर सहयोग करना वृजभूषण तिवारी का स्वभाव था। उन्होने समाजवाद को नई दिशा दिया। कहा कि नियति ने असमय उन्हें हमसे छीन लिया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। वृजभूषण तिवारी सच्चे अर्थो में समाजवादी थे, सांसद होने के बाद भी रिक्शे पर उनका बस्ती में चलना अब सिर्फ यादों में है।

जन्म दिन पर वृजभूषण तिवारी को नमन् करने वालों में सपा नेता मो. स्वालेह, अरविन्द सोनकर, भोला पाण्डेय, युनूस, राम प्रकाश, दिनेश तिवारी, विपिन त्रिपाठी, अजय यादव, गुड्डू पाण्डेय, प्रशान्त यादव, उदित पाण्डेय, राहुल सोनकर, संजय गौतम, हरीश गौतम, विश्वम्भर चौधरी, विवेक यादव डिम्पल, विजय यादव, घनश्याम यादव, गिरीश चन्द्र, हनुमान गौड़, राजाराम यादव, अशोक यादव, राहुल सोनकर, मन्नू सिंह, श्याम यादव, डब्लू यादव, रामू यादव, मुरली पाण्डेय, गौरीशंकर यादव आदि शामिल रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में देवी प्रतिमाओं का आस्था के साथ विसर्जन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । ग्रामीण क्षेत्रों में शांतिपूर्ण ढंग से मां देवी प्रतिमाओं का निकटवर्ती पवित्र नदियों में आस्थापूर्वक विसर्जन किया गया। अनेक स्थानों पर मेले जैसा दृश्य था, जयकारों के साथ लोगों ने मां देवी को विधि विधान से विदाई दिया। प्रमुख समाजसेवी एवं महादेवा विधानसभा क्षेत्र में आयी सरयू की बाढ के दौरान अनेक परिवारों को सहायता देने वाले रोहित आर्य ने क्षेत्र के अनेक देवी प्रतिमाओं की विधि विधान से पूजन अर्चन किया। स्थानीय नागरिकों से बातचीत में रोहित आर्य ने कहा कि दशहरा का पर्व अन्याय पर न्याय के स्थापना का पर्व है। वे राजनीति के क्षेत्र में परस्पर विश्वास और अन्याय का मुखर विरोध करने के लिये सक्रिय है।

सामाजिक कार्यकर्ता रोहित आर्य ने कहा कि महादेवा विधानसभा क्षेत्र में आजादी के 7 दशक बाद भी गांवों में अनेक प्रकार की चुनौतियां हैं, रोजगार और उद्योग धंधे न होने के कारण यहां का युवा रोजी रोटी के लिये पलायन को अभिशप्त है। उच्च शिक्षा की स्थिति दयनीय है। उनका प्रयास होगा कि यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो क्षेत्र के विकास के लिये वे जमीनी धरातल पर रचनात्मक पहल करेंगे। मां देवी प्रतिमाओं के पूजन अर्चन और विसर्जन के दौरान रोहित आर्य के साथ चन्द्रशेखर 'रवि', गुलशन कुमार, अभिषेक 'चिन्टू', अखिलेश भारती, आयुष 'मिन्टू' गौरव, राजेश मौर्य, शानू सिंह एडवोकेट, अरूण सिंह 'गुड्डू', रमेश सिंह, अंशू सिंह, प्रिन्स चौधरी, विजय शंकर यादव, पवन श्रीवास्तव, अशोक कुमार, अमन आर्य, विजयशंकर, अभि यादव के साथ ही क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

–सामाजिक कार्यकर्ता रोहित आर्य ने किया पूजन अर्चन

आरएसएस ने मनाया विजयादशमी, किया शस्त्र पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया नगर पंचायत स्थित एक पार्क में शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा धूमधाम से विजयादशमी उत्सव और शस्त्र पूजन कार्यक्रम मनाया गया। अतिथियों ने भारत माता और संघ के संस्थापक केशवराव हेडगेवार के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद अतिथियों ने शस्त्र पूजन कर समाज और धर्म की रक्षा का संकल्प लिया। स्वयंसेवकों ने एकल गीत का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया। वक्ताओं ने भगवान राम का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने सबरी के बेर खाकर और निषाद तथा जटायू को गले लगाकर वर्गभेद मिटाने का संदेश दिया। कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर देश में रामराज्य की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। संघ वर्ष 2025 में अपने स्थापना के सौ वर्ष पूरे करने जा रहा है और समाज की रक्षा के लिए शस्त्र का महत्व समझाया। संघ का शुभारंभ डॉ.हेडगेवार ने आज ही के दिन महाराष्ट्र में किया था। उनका मानना था कोई भी धर्म तथा संस्कृति कितनी भी श्रेष्ठ क्यों न हो, अगर उनकी रक्षा के लिए शक्ति नहीं है तो जगत में आदर विहीन रहेंगे। कहा कि हमें शक्तिशाली एवं साहसी बनना होगा, क्योंकि शक्ति और साहस से ही विजय प्राप्त होती है। उन्होंने विजयादशमी के इस पर्व पर अधर्मियों एवं समाज में व्याप्त बुराई रूपी रावण का वध करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पूर्व जिला प्रचारक अजीत, जिला प्रचार प्रमुख सर्वेश, जिला कार्यवाह संतोष, जिला शारीरिक प्रमुख नवदीप, जिला प्रचारक राघवेंद्र, विभाग सेवा प्रमुख रवींद्र, नगर संघ चालक राम तीरथ, नगर कार्यवाह हनुमान, खंड संघ चालक विनोद, खंड कार्यवाह गिरजेश, अशोक, अनिल, गिरिजेश बहादुर, विवेककान्त, राकेश, विपिन, मनीष, आदित्य, आशीष, योगेश, अखिलेश सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 14 अक्टूबर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

पर्व त्यौहार और मंदी का संकट

महंगाई का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है।

जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है।

यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिलें। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

जाकिर के माध्यम से खेल करने की तैयारी

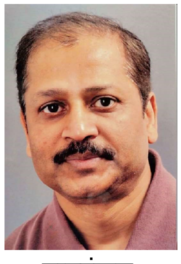

—पुष्परंजन—

आप एक टिकट में दो पिक्चर देखिये। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम 3 अक्तूबर, 2024 को पाकिस्तान पहुंचे, और इसके ठीक तीन दिन पहले, 30 सितम्बर को इंडिया का मोस्ट वांटेड जाकिर नाइक राजकीय अतिथि के रूप में पंद्रह दिनों के वास्ते पाकिस्तान आता है और पीएम शाहबाज शरीफ से मिलता है। अनवर इब्राहिम और शाहबाज शरीफ ने जो साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें जाकिर नाइक का जिक्र नहीं था। बल्कि इसका अहद किया गया कि मांस, चावल और पाम ऑयल के आयात सहित व्यापार और कृषि प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा, और दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के माध्यम से कुशल श्रमिक क्षेत्र में भी उभयपक्षीय सहयोग करेंगे।

अगस्त, 2024 के तीसरे हफ्ते मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम तीन दिवसीय भारत दौरे पर भी आये थे। मोदी-इब्राहिम मुलाकात का मुख्य फोकस व्यापार और निवेश का विस्तार करना और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में सहयोग तलाशना था। लेकिन, जाकिर नाइक की पूरी नजर थी कि भारत उसके प्रत्यर्पण की मांग न कर दे। उस अवसर पर उग्रवाद को कैसे काबू करें, उसपर दोनों नेताओं ने चिंता व्यक्त की थी, लेकिन प्रत्यक्ष रूप से जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण का सवाल तब भी उठा नहीं था।

जाकिर नाइक पाकिस्तान क्यों, और किसलिए आया है, यह बीच बहस नहीं है। इधर भारत में भी अखबारों, सत्ता को सलाम करने वाले चौनलों में यह केवल छोटी सी खबर बनकर रह गई है। लेकिन खेल बड़ा है, जिसे समझने में समय लग सकता है। पाकिस्तान को जाकिर नाइक की जरूरत क्यों आन पड़ी? और क्या जाकिर नाइक अब अपना ठिकाना शिफ्ट करने वाला है? दो बड़े सवाल हैं।

जाकिर नाइक अपने बेटे शेख फरीक नाइक के साथ पाकिस्तान आया हुआ है। डॉ. नाइक का स्वागत प्रधानमंत्री के युवा कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशहूद ने एयरपोर्ट पर किया था। जाकिर नाइक कराची में ज्ञान बांट चुका। 12-13 अक्तूबर को लाहौर में, और इस्लामाबाद में 19-20 अक्तूबर को प्रवचन देगा। जाकिर नाइक ने शुक्रवार को कराची में पत्ते खोले कि सितम्बर, 2019 के आखिरी सप्ताह पीएम मोदी का एक दूत पुत्रजया आया, और प्रस्ताव दिया कि यदि मैं 370 खारिज किये जाने का समर्थन करूंगा, तो भारत आने के वास्ते 'सेफ पैसेज' दिया जायेगा।

ढाका आतंकी हमले के बाद, 10 जुलाई 2016 को बांग्लादेश में पीस टीवी बैन कर दिया गया। 21 अप्रैल, 2019 को श्रीलंका में ईस्टर बम धमाकों के लिए जिम्मेदार समूह नेशनल तौहीद जमात के नेता जहरान हाशिम ने जाकिर नाइक की प्रशंसा करते हुए श्रीलंकाई मुसलमानों से पूछा था, कि वे उनके लिए क्या कर सकते हैं। लगभग 260 लोगों की जान लेने वाले आतंकी हमलों के बाद, श्रीलंका ने भी जाकिर नाइक के पीस टीवी के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया। 'हेट क्रिमिनल' जाकिर नाइक के पीस टीवी चैनल पर भारत, कनाडा, बांग्लादेश, श्रीलंका और ब्रिटेन में प्रतिबंध है। लेकिन बांग्लादेश से ताजा अपडेट है कि वहां का शासन, 'पीस टीवी' के प्रसारण को दोबारा से चालू करने पर विचार कर रहा है। जून, 2009 से पाकिस्तान में 'पीस टीवी उर्दू' लोग देख रहे हैं। जाकिर नायक के चाहने वाले बांग्लादेश में माहौल बनायें, इस वास्ते दोबारा कोशिशें वाया पाकिस्तान शुरू हो गई हैं।

इस बार भारत-पाकिस्तान के बीच कूटनीति के दरवाजे 'खुल जा सिमसिम' हो रहे हैं। मरियम नवाज ने बुधवार को कहा था, 'दोनों पंजाब में पराली जलाने की समस्या है, भारत-पाक को अब पर्यावरण कूटनीति की जरूरत है।' जाकिर नाइक को इंडिया अच्छा लगने लगा है। पाक एयरपोर्ट पर उतरते उसे भारतीय एयरलाइंस की याद आई जो अतिरिक्त सामान के पैसे माफ कर दिया करता था। 15-16 अक्तूबर को शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन की बैठक के वास्ते एस जयशंकर यदि पाकिस्तान में होते हैं, मोस्ट वांटेड जाकिर नाइक का प्रत्यर्पण क्या करा पाएंगे? यह प्रश्न शायद उन्हें असहज करे। दरअसल, जाकिर नाइक डिप्लोमेसी की रहस्यमय बिसात का वैसा मोहरा है, जिसे जरूरत के हिसाब से रखा-लुढ़काया जाता है।

मलेशिया में शरिया और सरकार के बीच द्वंद्व का माहौल है। मलेशिया, सलाफीवादियों या वहाबियों के कब्जे में 1980 से ही है। इनके संरक्षक सऊदी, यमनी और कुवैती हैं। 2018 में महाथिर मोहम्मद आये भी सलाफियों के समर्थन से। मलेशिया में मुफ्ती असरी जैनल आबिदीन के प्रभाव के कारण सलाफीवाद ताकतवर बना है, जिसे राजशाही, स्थानीय राजनेताओं, मस्जिद नेटवर्क और विवादास्पद उपदेशक जाकिर नाइक सरीखे विदेशी संरक्षकों से समर्थन मिलता है।

मलेशिया, कठमुल्लों को कैसे काबू करे, यह मौजूदा सरकार के लिए भी बड़ी चुनौती बन चुकी है। लेकिन इसका बीजारोपण सत्ताधारियों का ही किया हुआ है। जब जाकिर नायक को 2016 में भारत से मलेशिया पलायन करना पड़ा, उस समय मोहम्मद नजीब अब्दुल रज्जाक सत्ता में थे। 2018 में महाथिर मोहम्मद जब सत्ता में आये, भारत के विरोध के बावजूद उन्होंने जाकिर नाइक को परमानेंट रेजिडेंट का दर्जा दे दिया। पुत्रजया के जिस मस्जिद में जाकिर नाइक नमाज पढ़ाते, वहां हर जुमे को प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद जाते। महाथिर मोहम्मद के बाद मुहईद्दीन मोहम्मद यासीन, इस्माइल साबरी याकूब, और अनवर इब्राहिम प्रकारांतर से सत्ता में आये, और जाकिर नाइक ने उन्हें भी अपने आईने में उतार लिया।

नाइक पर नस्लीय और धार्मिक घृणा भड़काने का आरोप लगाया गया था, जब उसने कहा था कि मलेशियाई हिंदू नरेंद्र मोदी के प्रति अधिक वफादार हैं। तब कई सांसदों ने मांग की, कि जाकिर नाइक को देश से निकाल दिया जाए। मलेशियाई पुलिस ने जाकिर नाइक के धार्मिक उपदेशों पर कई बार प्रतिबन्ध लगाये, लेकिन फिर उसे हटा लिया जाता है। मगर, क्या डॉ. जाकिर नाइक एक वैकल्पिक व्यवस्था ढूंढ़ने के वास्ते पाकिस्तान गया है? यह सवाल अभी जेरे बहस नहीं है, लेकिन देर-सवेर इस पर बात होगी ही।

खैर, इस समय जाकिर नाइक की हेट स्पीच पाकिस्तान में महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी से ध्यान हटाने में कामयाब हो रही है। संभव है शाहबाज शरीफ इस 'धार्मिक मिसाइल' को अपनी सियासत के लिए इस्तेमाल करें। इस्लाम के हवाले से हेट गुरु जाकिर नाइक ने टटका बयान दिया, 'जिन लड़कियों के पास शादी के लिए कोई ऑप्शन नहीं है, मेरे विचार से दो ऑप्शन हैं उनके लिए। पहला ऑप्शन यह है, कि वो ऐसे मर्द से शादी करे, जिसकी बीवी ऑलरेडी है। दूसरा ऑप्शन यह है कि वो 'बाजारी औरत' बन जाये। मैं इंग्लिश में इसे बोलता हूं, 'पब्लिक प्रॉपर्टी'। इससे बढ़िया शब्द नहीं है। अब आप कल्पना कीजिये, जाकिर नाइक जैसा जाहिल, और जहरीला 'मेहमान' पंद्रह दिनों में पाकिस्तान की सोच को कितना गंदा कर चुका होगा। यह दुखद और शर्मनाक है!

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

युद्ध और महंगाई पर नियंत्रण की चुनौती

—डॉ. जयंतीलाल भंडारी—

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक की क्रेडिट पॉलिसी कमेटी बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से निर्मित वैश्विक संकट से भारत में महंगाई बढ़ने की जोखिम के मद्देनजर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ये लगातार 10वीं बार है जबकि रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में अधिक तनाव बढ़ने पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है।

> अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढ़ने के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढ़ने का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर 80 फीसदी आयात करने वाले भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा।

इन दिनों ईरान और इस्राइल सहित पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने से भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। ये चुनौतियां कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा इस्राइल और ईरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पड़ना शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढ़ने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना कुछ निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्तूबर, 2024 का पहला सप्ताह 4.5 फीसदी के नुकसान के साथ दो साल की सबसे बड़ी गिरावट का सप्ताह रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीद का भी रुख कर रहे हैं। इससे भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ने लगी है।

अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढ़ने के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढ़ने का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर 80 फीसदी आयात करने वाले भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा।

आशंका है कि ईरान और इस्राइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से ग्लोबल सप्लाई चौन प्रभावित हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ने लगेंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ने पर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे सकता है। लेकिन भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अधिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निरूशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 27 सितंबर को भारत के पास रिकॉर्ड स्तर पर 704 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है।

फिर भी भारत को महंगाई पर सतर्क निगाहें रखनी होंगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर अगस्त महीने में मामूली बढ़कर 3.65 प्रतिशत रही। यह आरबीआई द्वारा निर्धारित लक्ष्य के दायरे में है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई, 2024 में 3.6 प्रतिशत थी। अर्थव्यवस्था को मजूबती मिलते हुए दिखाई दी है। अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढ़ना होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वर्ष 2024-25 के बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए 10,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। जहां इस कोष का उपयोग दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाएगा। वहीं जरूरी होने पर इन अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग के लिए ऋणों की राशि दोगुनी करके 50,000 करोड़ रुपये सुनिश्चित की गई है। जो वैश्विक चुनौती के मुकाबलों में सहायक होगी।—लेखक अर्थशास्त्री हैं।

चुनावों के बदलते परिदृश्य

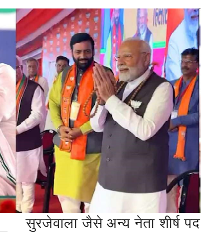

—विपिन पब्बी—

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के ऐतिहासिक नतीजे सभी राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण सबक हैं, भले ही नतीजे एग्जिट पोल द्वारा लगाए गए अनुमानों के विपरीत साबित हुए हों। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हरियाणा विधानसभा चुनावों के अंतिम नतीजों ने भारतीय जनता पार्टी के लोगों के साथ-साथ कांग्रेस समर्थकों को भी चौंका दिया है, लेकिन इसने कई मिथकों को खत्म कर दिया है। कांग्रेस निर्णायक रूप से चुनाव हार गई है और उसके पास कोई बदलाव करने का मौका नहीं है। यह हार तब हुई है, जब पिछले विधानसभा चुनावों की तुलना में उसके वोटों में करीब 10 फीसदी की बढ़ौतरी हुई है। इसने इस मिथक को तोड़ दिया है कि उत्तर भारत में कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में नहीं आ सकती।

किसी भी जटिल चुनाव के नतीजों की भविष्यवाणी करने की बजाय पीछे मुड़कर देखना और उन कारणों पर विचार करना आसान है, जिनकी वजह से अप्रत्याशित नतीजे आए। फिर भी राजनीतिक दलों और टिप्पणीकारों के लिए नतीजों का विश्लेषण करना और उनसे सबक लेना महत्वपूर्ण है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हरियाणा में हार के लिए कांग्रेस को ही दोषी माना जाना चाहिए, जहां वह जीत के मुंह से हार छीनने में कामयाब रही। पिछले चुनावों में भाजपा के पतन के बाद, जब वह पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर सकी और सरकार बनाने के लिए उसे जजपा की मदद लेनी पड़ी। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में जहां उसकी सीटें 10 से घटकर 5 रह गईं और पार्टी नीचे की ओर जाती दिख रही थी। जाहिर तौर पर इसने कांग्रेस को संतुष्ट कर दिया, जिसने सोचा कि जीत उसके लिए बस एक मांग थी। कांग्रेस में खुला विभाजन स्पष्ट था, जिसमें उसके नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा ने अपनी दुश्मनी को किसी भी तरह से नहीं छिपाया, जबकि बीरेंद्र सिंह और रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे अन्य नेता शीर्ष पद के लिए होड़ में थे।

हुड्डा को निश्चित रूप से अपने समर्थित उम्मीदवारों का बड़ा हिस्सा मिला, जिसने शैलजा को 3 अभियान के अधिकांश भाग के लिए चुनाव प्रचार से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। पार्टी के किसी भी नेता ने पार्टी उम्मीदवारों के लिए वोट जुटाने के लिए पूरे राज्य में यात्रा नहीं की। कांग्रेस द्वारा उठाए गए सभी प्रमुख मुद्दे, किसान, जवान और पहलवान से संबंधित, जाटों को पसंद आए जबकि अन्य समुदायों ने खुद को उपेक्षित महसूस किया और शायद यही कारण है कि गैर-जाट समुदाय भाजपा के पक्ष में एकजुट हुए। जाट नेता के रूप में हुड्डा का दबदबा और ओ.बी.सी. चेहरे शैलजा की अनदेखी ने इसमें योगदान दिया हो सकता है। भाजपा और उसके कार्यकर्त्ताओं को भी श्रेय दिया जाना चाहिए जिन्होंने संभावित नतीजों के बारे में प्रतिकूल रिपोर्टों के बावजूद अथक परिश्रम किया। इसने मुख्यमंत्री पद बदलने और अपने एक तिहाई मौजूदा विधायकों को टिकट न देने सहित सत्ता विरोधी लहर को दूर करने के लिए सक्रिय कदम उठाए। पार्टी अपने संगठित कैडर के माध्यम से जमीनी स्तर के कार्यकर्त्ताओं तक पहुंचकर अपनी उपलब्धियों को पेश करने में भी सक्षम थी जबकि कांग्रेस सिर्फ सत्ता विरोधी लहर पर निर्भर थी।

कांग्रेस को सबसे महत्वपूर्ण सबक यह सीखना चाहिए कि उसे आराम नहीं करना चाहिए और रणनीति के साथ चुनाव की तैयारी करनी चाहिए। पार्टी अब महाराष्ट्र और झारखंड में कम मनोबल के साथ चुनाव लड़ेगी, जबकि भाजपा लोकसभा चुनाव के भूत को शांत कर चुकी है, जिसमें उसका प्रदर्शन खराब रहा था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव राष्ट्रीय दृष्टिकोण से और भी महत्वपूर्ण थे। 10 साल के अंतराल और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने और राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने के 5 साल बाद होने वाले इन चुनावों को राज्य के चुनावी इतिहास में एक मील का पत्थर माना जा सकता है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडः बहराइच जिले के हैं दो शूटर, रोजी–रोटी की तलाश में गए थे मुंबई

संवाददाता–गोण्डा। मुंबई में हुए बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में यूपी के दो शूटरों के नाम सामने आ रहे हैं। इस घटना में शामिल ध र्मराज कश्यप और शिव कुमार उर्फ शिवा गौतम दोनों कैसरगंज कोतवाली के गंडारा गांव के रहने वाले हैं। दोनों परिवार के भरण पोषण के लिए मुंबई कमाने गए थे। एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि दोनों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। यह दोनों ही सामान्य परिवार के लोग हैं। अभी तक नियमित रूप से यह परिवार के साथ जुड़े हुए भी थे। पुलिस घर पहुंचकर परिवार से बात कर रही है। साथ ही यह जानने की कोशिश कर रही है कि इस घटना के बारे में परिवार के पास क्या जानकारी है।

महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छब्च) के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस बीच, इस हत्याकांड को लेकर नया दावा सामने आया है। रिपोर्ट्स में दावा किया है कि हमलावरों ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए पटाखों का फायदा उठाया। दरअसल, दशहरे के मौके पर जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर पटाखे फोड़ रहे थे तभी उनकी हत्या की गई।

मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाला धर्मराज कश्यप बहराइच का रहने वाला है। कुछ महीनों पहले अपने साथी शिवाा गौतम के साथ मुंबई काम तलाशने गया था। मुंबई में हुए इस हाईप्रोफाइल मर्डर में उसका नाम सामने आने के बाद बहराइच पुलिस ने उसके बारे में छानबीन की तो कोई पुराना आपराधि ाक इतिहास नहीं मिला। फिलहाल पुलिस उसके बारे में गहनता से पता लगा रही है।

वहीं दूसरी ओर बाबा सिद्दीकी की हत्या का यूपी लिंक सामने आने के बाद एसटीएफ की सारी यूनिट्स को अलर्ट कर दिया गया है। दरअसल, वारदात में शामिल एक शूटर मौके से भाग गया था। बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए अंडरवर्ल्ड की मदद लेने की आशंका जताई जा रही है, जिसकी वजह से एसटीएफ इसकी टोह लेने में जुट गई है। एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि अभी मुंबई पुलिस ने एसटीएफ से संपर्क नहीं किया है, लेकिन धर्मराज और उसके साथी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। दरअसल, एसटीएफ को शक है कि धर्मराज किसी संगठित गिरोह से जुड़ा था, जिसके बाद उसे किसी खास काम से मुंबई भेजा गया। दरअसल, वारदात के दौरान धर्मराज का किसी पेशेवर शूटर की तरह पिस्टल से ताबड़तोड़ गोलियां बरसाना उसके किसी गिरोह से जुड़े होने का संदेह पुख्ता कर रहा है।

धर्मराज कश्यप और शिवा गौतम कैसरगंज कोतवाली के गंडारा गांव के रहने वाले हैं। एसपी बहराइच वृंदा शुक्ला ने बताया कि दोनों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड फिलहाल नहीं मिला है। दोनों सामान्य परिवार के हैं और मजदूरी करने मुंबई गए थे। दोनों के बारे में सारी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। शिव कुमार गौतम उर्फ शिवा गौतम पुत्र बालकिशुन उर्फ ननकुन्ने। शिवा दो भाइयों में सबसे छोटा है। पिता खेती और मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं। शिवा की शादी नहीं हुई है। ध र्मराज कश्यप पुत्र राधे कश्यप, छह भाइयों में सबसे छोटा भाई है। पिता और बड़ा भाई मछली बेचते हैं। दूसरा भाई ठेला लगाता है। तीसरा भाई कपड़े की दुकान पर मजदूरी करता है साथ ही और भी भाई मजदूरी करते हैं। चार बड़े की भाई शादी हो गई है। धर्मराज और एक और भाई की शादी नहीं हुई है। इन लोगों के पास खेती न के बराबर है।

धमाकों से दहल उठा कस्बा, गंभीर रूप से झुलसे युवक की लखनऊ ले जाते समय मौत

संवाददाता–गोण्डा। शनिवार को देर रात इटियाथोक स्थित किराना गोदाम में रखे अवैध पटाखों में विस्फोट से चपेट में आया युवक बुरी तरह से झुलस गया। मरणासन्न हाल में उसे पहले गोंडा मेडिकल कॉलेज में आकस्मिक उपचार के लिए ले जाया गया, वहां से चिकित्सकों ने हालत नाजुक बताते हुए लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। लखनऊ पहुंचने से पहले रास्ते में ही युवक की मौत हो गई। पटाखे के जखीरे में विस्फोट इतना जबरदस्त था कि गोदाम के परखच्चे उड़ गये। साथ ही दूर खड़े चारपहिया वाहनों के शीशे खुद–ब–खुद चकनाचूर हो गये। इससे पूर्व बेलसर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड एक में गत 7 अक्तूबर को अवैध पटाखा कारखाने में हुए भीषण धमाके में तीन लोगों की मौत हो चुकी और दो अन्य घायल हैं।

शनिवार को रात लगभग साढ़े 10 बजे गोंडा–बलरामपुर राजमार्ग पर इटियाथोक बाजार के मध्य तेलियानी मोड़ के पास यह धमाका हुआ है। रामजी गुप्ता की किराना दुकान का गोदाम एक किराये के मकान में है। यहां दोना–पत्तल व गिलास सहित अन्य सामानों का भंडारण किया जाता है। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन समाप्त होते ही अचानक गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। ध ामाके की चपेट में आ जाने से रामजी गुप्ता के पुत्र दुर्गेश गुप्ता (28) बुरी तरह से झुलस गये। वह गोदाम में पहले से ही मौजूद थे। धमाके के तुरंत बाद चीख–पुकार मच गई।

आस–पड़ोस के लोगों की भीड़ जब मौके पर पहुंची तो आनन–फानन में परिवारीजन गंभीरावस्था में दुर्गेश को लेकर गोंडा मेडिकल कॉलेज भागे। आस–पड़ोस के लोगों की भीड़ जब मौके पर पहुंची तो आनन–फानन परिजन गंभीर अवस्था में दुर्गेश को लेकर गोंडा मेडिकल कॉलेज भागे। मौके पर चश्मदीद राजकुमार ने बताया कि धमाके की आवाज काफी दूर तक पूरे बाजार में सुनाई दी।

धमाके से गोदाम के सामने लगा टिनशेड हाईवे के दूसरी तरफ उड़कर गिरा। वहीं गोदाम के पीछे 400 मीटर दूर खड़ी मन्नू की वैगनआर कार के शीशे चकनाचूर हो गए। अन्य गाड़ियों के शीशे भी क्रेक हुए। दुकान के भीतर रखे दोना–पत्तल सब खाक में तब्दील हो गए। आस–पड़ोस के लोगों की भीड़ जब मौके पर पहुंची तो आनन–फानन परिजन गंभीर अवस्था में दुर्गेश को लेकर गोंडा मेडिकल कॉलेज भागे। मौके पर चश्मदीद राजकुमार ने बताया कि धमाके की आवाज काफी दूर तक पूरे बाजार में सुनाई दी। धमाके से गोदाम के सामने लगा टिनशेड हाईवे के दूसरी तरफ उड़कर गिरा। वहीं गोदाम के पीछे 400 मीटर दूर खड़ी मन्नू की वैगनआर कार के शीशे चकनाचूर हो गए। अन्य गाड़ियों के शीशे भी क्रेक हुए। दुकान के भीतर रखे दोना–पत्तल सब खाक में तब्दील हो गए। शोर सुनकर काफी लोग इकट्ठा हो गये। झुलसे युवक को बेहतर उपचार के लिए भेजा गया है। मौके पर छानबीन की जा रही है। डाग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। मामले में जो भी विधिक कार्रवाई होगी, की जाएगी।

अभी सात अक्तूबर दिन सोमवार को बीते महज छह दिन हुए हैं, जब नगर पंचायत क्षेत्र का बेलसर उत्तरी वार्ड भीषण धमाकों में थर्रा उठा था। बंद मकान में अवैध रूप से बनाए जा रहे पटाखों के जखीरे में विस्फोट हो गया था, जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक ने लखनऊ के सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया था।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में दो श्रद्धालु डूबे, गोताखोरों ने शुरू की तलाश

संवाददाता–गोण्डा। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान नदी के गहरे पानी में डूबे दोनों श्रद्धालुओं के शव की खोजबीन जारी है। रविवार की सुबह राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और पीएसी की फ्लड कंपनी ने मोर्चा संभाल लिया है। छपिया के थानाध्यक्ष कृष्णगोपाल राय भी पुलिस टीम के साथ मौके पर सर्च अभियान में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि बस्ती का सीमावर्ती क्षेत्र होने के चलते पड़ोसी जिले की टीम की मदद ली जा रही है। एसडीआरएफ और फ्लड कम्पनी गहरे पानी के दोनों के शव की तलाश कर रही है। फिलहाल अभी सफलता नहीं मिली है। शनिवार की रात गोंडा जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जित करने गए किशोर समेत दो लोगों के डूब जाने से जश्न पूरी तरह गम में बदल गया था। छपिया थाना क्षेत्र के मानिकपुर जंगल के पास पिपरही घाट पर नदी में मूर्तियों के विसर्जन में दो श्रद्धालु डूब गये हैं। अभी दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस दोनों की तलाश स्थानीय गोताखोरों से करा रही है। छपिया क्षेत्र में रखी गईं मूर्तियों को विसर्जन के लिए पिपरही घाट पर श्रद्धालु लेकर आए थे। शाम करीब आठ बजे अचानक पता चला कि दो श्रद्धालु विर्सजन के दौरान गहराई में चले गये और नदी में डूब गये हैं। जिसमें एक की उम्र लगभग 16 वर्ष और दूसरे की उम्र लगभग 27 साल बताई जा रही है। दोनों फुटहिया बाजार के रहने वाले हैं। स्थानीय गोताखोर नदी में युवकों को ढूंढ़ रहे हैं। मौके पर पुलिस फोर्स तैनात है। एसडीएम मनकापुर यशवंत राव ने बताया कि नदी में दो श्रद्धालुओं के डूबने की सूचना मिली है। नदी में तलाश की जा रही है।

पिपराही घाट पर मनवर नदी में डूबे युवकों की पहचान हो गई है। दोनों श्रद्धालु सत्यम विश्वकर्मा पुत्र मनीराम और अमरजीत गुप्ता पुत्र भगवानदीन डूबे थे। दोनों महुली खोरी फुटहिया बाजार के निवासी थे। छपिया कृष्णगोपाल राय ने बताया पुलिस व प्रशासन द्वारा लोगों को मनवर नदी में उतरने से मना करने के बावजूद तीन लोग नदी में उतर गए थे। इसमें एक को मौके पर एक बचा लिया गया जबकि दो अन्य डूब गए जिनकी तलाश जारी है।

निष्काम सेवा ट्रस्ट के संस्थापक आचार्य पुरुषोत्तमदास को संतों–श्रद्धालुओं ने दी श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के भजनानंदी संत निष्काम सेवा ट्रस्ट के संस्थापक एवं दिग्गज संत आचार्य पुरुषोत्तमदास रामायणी की 14 वीं पुण्यतिथि पर संतु महंतों ने किया नमन। मंगलवार को सुबह से ही ट्रस्ट के सभागार में आचार्य को नमन करने का सिलसिला शुरू हुआ। श्रद्धांजलि देने वालों में रामजन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपालदास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयनदास, जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजयशरण, नागा रामलखनदास, तुलसी छावनी पीठाधीश्वर महंत जनार्दनदास, बध ााईभवन के महंत राजीवलोचनशरण, करतलिया आश्रम के पीठाधीश्वर महंत बाल योगी रामदास, श्रृंगारकुंज के महंत हरिभजनदास, जिला शासकीय अधिवक्ता सुभाषचंद्र त्रिपाठी, रत्नेश मिश्र रज्जू आदि सहित बड़ी संख्या में संत एवं विशिष्ट जन शामिल रहे। आचार्य के उत्तराधिकारी महंत रामचंद्रदास ने आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया और विश्वास दिलाया कि श्रद्धेय गुरु ने गो–सेवा, संत–सेवा, पौधारोपण, उपासना आदि की जिस परंपरा की नींव डाली थी, ट्रस्ट उसे निरंतर ऊंचाई प्रदान कर रहा है। निष्काम सेवा ट्रस्ट में नित्य शताधिक भिक्षुओं को भोजन–जलपान कराए जाने के साथ साधना में रमे दर्जनों संतों के योगक्षेम का निर्वहन किया जाता है। इसके पूर्व निष्काम सेवा ट्रस्ट में सोमवार को नौ दिवसीय आचार्य स्मृति पर्व का समापन हुआ।क्वार शुक्ल प्रतिपदा से ही ट्रस्ट का आगार रामचरितमानस के पारायण से गुलजार था। पारायण में 51 साध ाक शामिल थे। शनिवार को पारायण की पूर्णाहुति के साथ आचार्य विग्रह का अभिषेक किया गया और स्मृति–पर्व का समापन वृहद भंडारा से हुआ।

श्रीराम, माता सीता की निकाली गई शोभा यात्रा

संवाददाता–श्रावस्ती। भंगहा बाजार में रविवार को नगर दर्शन के लिए श्रीराम, माता सीता व लक्ष्मण की शोभा यात्रा निकाली गई। इसके साथ ही भगवान शिव का भी नगर दर्शन कराया गया। जगह जगह लोगों ने स्वागत कर पुष्प वर्षा की। हरिहरपुररानी विकास क्षेत्र के भंगहा बाजार स्थित काली मंदिर पर 10 दिवसीय रामलीला का मंचन किया जा रहा है। 9वें दिन रविवार को नगर दर्शन के लिए मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके लिए ट्रैक्टर ट्राली को रथ के रूप में सजाया। उस पर बाल कलाकारों को भगवान राम, माता सीता, भगवान लक्ष्मण के साथ ही भगवान शिव के रूप में श्रृंगार कर बैठाया गया। इसके बाद शाभा यात्रा को रवाना किया गया। शोभा यात्रा के दौरान भंगहा बाजार, कुरसहा व गड़रा तक भ्रमण कर नगर दर्शन कराया गया। जगह जगह लोगों से पूजा अर्चना की और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान श्रीराम के जयघोष से पूरा इलाका गंजायमान होता रहा। वहीं पुलिस की ओर से कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए। चार ड्रोन कैमरे से निगरानी होती रही। कोतवाली भिनगा के प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ तैनात रहे।

तीन दिवसीय कबीर मेले का समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कबीर मठ जियनपुर महोबरा बाजार के संस्थापक सद्गुरु रामसूरत साहेब एवं उदार साहेब की पुण्य स्मृति में चल रहे तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का रविवार को समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य बौद्ध अरविंद सिंह पटेल ने कहा कि हमें सद्गुरु कबीर के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। उनका उपदेश मानव–मानव एक समान का था। उन्होंने सद्भावना का संदेश दिया। कबीर का सांप्रदायिक सौहार्द देश–विदेश में एकता–अखंडता स्थापित कर रहा है। श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर कबीर मठ अयोध्या के कार्यवाहक अध्यक्ष महंत उमाशंकर दास ने कहा कि कबीर मठ में तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का समापन किया गया। प्रतिदिन सुबह बीजक पाठ, उसके बाद विचार गोष्ठी और भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला सन् 2005 से मठ में चल रहा है। यह मेला का 19वां वर्ष रहा है। जो कबीर मठ के संस्थापक सद्गुरु रामसूरत साहेब एवं उदार साहेब की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होता है। कबीर मेले ने पूरे देश–दुनिया में सांप्रदायिक सौहार्द एवं एकता–अखंडता का संदेश दिया। गोष्ठी में नरसिंह साहेब, निर्भय दास, राध ेश्याम दास ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

संचालन श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर अयोध्या के कार्यवाहक मंत्री संत विवेक ब्रह्मचारी ने किया।इस अवसर कबीर मंदिर सूरत गुजरात के महंत देवेन्द्र साहेब, महंत रामप्रकाश दास, पूर्व डीसीएफ चेयरमैन बस्ती रामशंकर निराला, जिपं सदस्य बस्ती राजबहादुर वर्मा, सांसद प्रतिनिधि एवं जनशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर इं. मनोज वर्मा, एडवोकेट वीरेंद्र यादव, डॉ. अजय कुमार, डॉ. दिलीप सिंह, साध्वी ज्योति पांडेय, जोखू यादव, रविंद्र दास, हेमंत दास, युवराज दास, रामलाल दास, भुवनेश्वर दास, राधेश्याम दास, नरसिंह दास, अजीत दास, भानुप्रताप वर्मा इंटर कालेज हनुमत नगर के प्राचार्य निर्मल वर्मा, अनूप जायसवाल, शिवदास पटेल, बृजेश वर्मा, विजय चौधरी, एडवोकेट सर्वेश सक्सेना व योगेंद्र वर्मा, पूर्व प्रध ाान गुरचरन यादव, शेषनाग, रामसजन चौधरी आदि मौजूद रहे।

डीजे ले जा रहे वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत, जीजा और साले की मौके पर ही मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। बौद्ध परिपथ स्थित मोहनीपुर पेट्रोल पंप के निकट तेलियनपुरवा में शनिवार देर रात डीजे लेकर जा रहे वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार किशोर सहित दो की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम महादेवा जगदीश के मजरा गोबार निवासी राहुल कुमार (28) शनिवार को बाइक से कटरा गया था। इस दौरान बाइक पर उसके साथ उसका जीजा कटरा थाना क्षेत्र के ग्राम खरगूपुर के मजरा पासी पुरवा निवासी रवी प्रकाश (30) व थाना क्षेत्र के ग्राम टड़वा महंत के मजरा परसौरा निवासी अभिषेक उर्फ नीरज (16) भी था। जहां से देर रात तीनों वापस लौट रहे थे। जैसे ही राहुल बाइक लेकर बौद्ध परिपथ स्थित मोहनीपुर पेट्रोल पंप के निकट तेलियनपुरवा पहुंचा। तभी डीजे लेकर जा रहे किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में अभिषेक व रवि प्रकाश की मौत हो गई। जबकि राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे ओम प्रकाश, सीओ सतीश कुमार व थाना प्रभारी ने घायल को सीएचसी इकौना पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर उसे मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया गया था। जहां हालत में सुधार न होने के कारण उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। मौके पर पहुंची इकौना पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर अज्ञात चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर किया है। वहीं पुलिस ने लाश का पंचनामा भरा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। मौत के बाद दोनों परिवार में कोहराम मच गया है। इस बारे में प्रभारी निरीक्षक इकौना राजकुमार सरोज का कहना है कि अज्ञात चालक के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार किया जाएगा।

साड़ी के शोरूम में आग लगने से 10 लाख की क्षति

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के महुआडीह चौराहे पर एक बंद साड़ी शोरूम में शनिवार देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें शोरूम से बाहर निकलने लगी।

फायर ब्रिगेड की गाडियों के पहुंचने से पूर्व शोरूम जलकर खाक हो गया। इस अग्रिकांड में लगभग 10 लाख की क्षति हुई है।

बिना डरे बिना भाई के समाज को एक करने का काम करते रहना चाहिए –संत परीक्षा साहेब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।कबीर धर्म मंदिर जियनपुर के संस्थापक सद्गुरु रामसूरत साहेब की पुण्य स्मृति में तीन दिवसीय सत्संग समारोह का हुआ समापन समापन सत्र की अध यक्षता रामसूरत साहेब के उत्तराधि ाकारी एवं कबीर की परंपरा के प्रख्यात उपदेशक संत परीक्षा साहेब ने किया और बताया कि अगर मध्यकाल में सदगुरु कबीर का प्रादुर्भाव ना हुआ होता तो वर्तमान भारत की स्थिति और खराब हो जाती शायद हम और टुकड़ों में बट जाते क्योंकि जब हम बृहद भारत की कल्पना करते हैं तब हमें मालूम होना चाहिए, कि हमारे भारत के कितने भूभाग हमसे अलग हो गए और इसका मूल कारण था जातियों में बंटना। जब हमारा भारत धर्म संप्रदाय जाति के घोर जाल में फंसा हुआ था उसे समय सदगुरु कबीर ने इन सभी मिथकों तोड़ने के लिए संघर्ष किया और देश को बचाया और हम ऐसे संघर्षशील सदगुरु कबीर के अनुयाई हैं हमको हमेशा उनके पद चिन्हों पर चलते हुए बिना डरे बिना भाई के समाज को एक करने का काम करते रहना चाहिए।

संत कबीर की जन्मस्थली से पधारे संत प्रेम साहेब ने बताया कि हमारा कर्तव्य है कि जो हमारे इष्ट है सद्गुरु कबीर साहेब उन्होंने जाति और कट्टर पंथ की आलोचना करते हुए पूरा जीवन संघर्ष किया आप कल्पना करिए की मध्यकाल में कबीर का जन्म काशी मे हुआ और काशी में रहकर के उन्होंने सब मार्ग का रास्ता नहीं छोड़ा रूढ़ियों पर कुठारा घात करते रहे जो लोग कबीर को मुस्लिम कहते हैं वह कबीर को समझ ही नहीं पाए, सगुण उपासक राम के अनुयाई भी सदगुरु कबीर साहब के विचारों को सुनते हैं और अमल करते। उन्होंने कहा कि हम ऐसे सदगुरु कबीर के अनुयाई हैं कि हमें जाति से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का कार्य करते रहना है। अगर सदगुरु कबीर मध्य काल में ना आए होते तो शायद भारत की स्थिति भी अन्य देशों जैसी होती। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम कबीर के विचारों को जन–जन तक पहुंचाएं और समय की मांग है की सदगुरु कबीर को सभी को जानना होगा।

विवेक साहेब ने बताया कि जब तक अंदर की आंख नहीं खोलेंगे तब तक मंजिल प्राप्त नहीं हो सकती और साधु का कार्य है लोगों के सोए हुए आंख को खोलना निरर्थक विचार को खत्म करना और जब तक विवेक का जागरण नहीं होगा तब तक निरर्थक विचार आते रहेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक धर्म प्रकाश साहेब ने बताया कि सतगुरु रामसूरत साहेब अयोध्या में मठ की स्थापना सेवा के लिए किया था वैसे ही सेवा परीक्षा साहेब के निर्देशन में चल रही है लेकिन वर्तमान में कुछ लोग मंदिर की संपत्ति जो अब करोड़ों करोड़ों की हो गई है हड़प कर बेचना चाहते हैं विवाद पैदा किए हैं, मैंने तो संकल्प लिया है की रामसूरत साहेब ने जिस उद्देश्य के लिए मठ की स्थापना की थी अपने जीवन भर उसी रास्ते पर चलेंगे और मठ की सुरक्षा करेंगे आप लोगों को भी मठ के बारे में चिंता करने की आवश्यकता है।

अंत में उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।निष्ठा साहेब बाराबंकी, संजीवन साहेब कटिहार बिहार, रतन साहेब इटावा उत्तर प्रदेश,कसार साहेब रामपुर दिल्ली, विचार साहेब नवापारा छत्तीसगढ़, अचल साहेब बड़ौदा गुजरात, मुक्तिशरण साहेब धमतरी छत्तीसगढ़, घनश्याम साहब मंदौर छत्तीसगढ़, सत्यपाल साहेब राजस्थान, रहस्य साहेब कोटा राजस्थान ने भी अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सदगुरु कबीर के पूजन से हुआ। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ बिहार गुजरात राजस्थान मध्य प्रदेश सहित पूरे भारत के लोग उपस्थित हो करके सदगुरु कबीर के वचनों को सुने और पालन करने का संकल्प लिया।अचिंत दास, दुःख समन दास, सरल दास, विवेक शरण दास, विनय शरण दास ने अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी, सड़क छावनी में तब्दील, फैला तनाव, तीन आरोपी हिरासत में

संवाददाता–गोण्डा। दशहरा पर्व को देर शाम गोंडा शहर के एक इलाके में तनाव का माहौल कायम हो गया। नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बड़गांव में नूरामल मंदिर से आगे तकिया मस्जिद व घोसियाना मोहल्ले के आसपास पत्थरबाजी होने से बवाल की स्थिति बन गई। हालांकि, सूचना मिलते ही इलाके को पुलिस बल और पीएसी के जवानों से छावनी में तब्दील कर दिया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने मस्जिद के आसपास वाले दो और तीन मंजिला घरों से पत्थर फेंकने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन और हो हल्ला शुरू कर दिया। कंट्रोल रूम से संदेश मिलते ही मौके पर एसपी विनीत जायसवाल खुद पहुंच गये और माइक हाथ में लेकर हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सोनार गली मोहल्ले की दुर्गा प्रतिमा शहर से खैरा भवानी मंदिर के पोखरे में विसर्जन के लिए ले जाई जा रही थीं, उसी वक्त असामाजिक तत्वों ने पथराव किया। इस दौरान अंधेरा होने के चलते पुलिस को और कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। हुड़दंगियों को पुलिस जवानों ने खदेड़ते हुए रास्ते पर एकत्रित भीड़ को भी तितर बितर कर दिया। नगर कोतवाल मनोज पाठक ने बताया कि हालात पूरी तरह से कंट्रोल में है। कुछ गलतफहमी की वजह से विवाद की परिस्थिति बन गई थी, लेकिन मौके पर पहुंचकर पुलिस अफसरों और जवानों से सब संभाल लिया। रूट को डायवर्ट कर विसर्जन यात्रा को गंतव्य तक सही सलामत पहुंचाया जा रहा है। पुलिस ने बड़गांव पुलिस चौकी के आगे मूर्ति विसर्जन विवाद में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। इसके अतिरिक्त दोनों पक्ष से एक–एक संदिग्धों को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ की गई, फिर उन्हें छोड़ दिया गया। इन्हें खुराफाती के रूप में चिह्नित किया गया है। उनसे जानकारी की जा रही है कि शांतिपूर्ण चल रहे विसर्जन में खलल क्यों और कैसे डाली गई। इसमें शामिल अन्य लोगों की भी पड़ताल पुलिस कर रही है। नगर कोतवाल मनोज पाठक का कहना है हर स्तर से पता किया जा रहा है। माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शहर में मूर्तियों के विसर्जन में बड़गांव पुलिस चौकी के आगे रानीबाजार के पहले तक खुराफातियों ने हाथ की सफाई खूब दिखाई। माहौल बिगाड़ने के लिए सड़क किनारे लगीं ठेले की दुकानों को पलट दिया। दरअसल नूरामल मंदिर के पास बवाल के शोर में अफरातफरी मच गई। जिसका फायदा उठाते हुए खुराफातियों ने मौके को सांप्रदायिक रंग देनी की कोशिश की। जिसकी गवाही सड़क किनारे पड़े ठेले दे रहे हैं, उन्हें पलट दिया। पुलिस की सक्रियता से मौके से खुराफाती अपनी कोशिश में सफल तो नहीं हुए लेकिन गरीब दुकानदारों का काफी नुकसान हो गया है। अब पुलिस तस्दीक कर रही है कि इस हरकत में किन लोगों का हाथ है।

जमीन पर अवैध कब्जे, लोगों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। शारदीय नवरात्र और विजयादशमी पर्व के उपलक्ष्य में लगातार तीन दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में अति व्यस्तता के बाद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में सीएम योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली लाने को प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 300 लोगों से मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, दशहरा के मौके पर गरजे सीएम योगी, वीडियो वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम संगठित रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। छुआछूत, अश्पृश्यता को दूर कर एकजुट रहेंगे तो खुद की और राष्ट्र की भी सुरक्षा कर सकेंगे। हमें उन पाखंडों से दूरी बनाकर रहना है, जिससे चलते गुलामी का दंश झेलना पड़ा और आक्रांताओं को हमारे धर्म स्थलों को खंडित करने तथा सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का मौका मिला। सीएम योगी शनिवार शाम मानसरोवर रामलीला मैदान में श्री रामलीला समिति, आर्यनगर की तरफ से आयोजित प्रभु श्रीराम के राजतिलक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने सभी लोगों को विजयादशमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठित न रहने के कारण ही गुलामी के अलग अलग कालखंड में कभी काशी में विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में राम मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर को अपवित्र करने का दुस्साहस आक्रांताओं ने किया। हम परतंत्र होंगे तो फिर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। राजनीतिक स्वतंत्रता सिर्फ राजनीतिक ही नहीं होती। बल्कि वह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की वाहक भी होती है। इसलिए हमें संगठित होकर स्वतंत्रता दिलाने वाले बलिदानियों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि संगठित रहने के लिए और संगठन की ताकत दिखाने के लिए आवश्यक है कि हम जाति, मत, संप्रदाय, भाषा, छुआछूत जैसे भेदभाव से दूर रहें। इसी संदेश से लोगों को जोड़ने के लिए अयोध्या में जहां 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बना है तो वहीं श्रीराम की कथा को देने वाले महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया है। अयोध्या में रसोईगृह माता शबरी के नाम पर बनी है तो यात्री विश्रामालय भगवान राम के अभिन्न सखा निषादराज के नाम पर बना है। यह सामाजिक एकता भारत की विरासत का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज की गले मिलती प्रतिमा का निर्माण सरकार करवा चुकी है। वर्ष 2025 में प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ का आयोजन भी विरासत के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन होगा।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में कहीं अन्य जगह जब सभ्यता का नामोनिशान नहीं था तब भारत में सभ्य सनातन समाज अस्तित्व में था। सनातन समाज कभी विपन्न नहीं रहा। वह बुद्धि और वैभव में सदैव अग्रणी रहा। साजिश के तहत क्षेत्र, जाति, भाषा, मत आदि के नाम पर मध्यकाल में उसे विभाजित किया गया, जिसके विषाणु आज भी यत्र–तत्र बिखरे पड़े हैं। इन विषाणुओं को हमें कतई पनपने नहीं देना है। हमें संगठित होकर सकारात्मक दिशा में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से जुड़ना है। व्यक्तिगत स्वार्थ कभी भी राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। हमारा हर काम देश के नाम होना चाहिए। अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हुआ आंदोलन भी इसी की प्रेरणा देता है।

राम मंदिर निर्माण के लिए हुए आंदोलन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनके पूज्य गुरुदेव का आखिरी सपना मंदिर निर्माण को साकार होते देखना था। उनके जीवन के अंतिम क्षणों में जब विश्व हिंदू परिषद के नेता अशोक सिंघल जी उनसे मिलने आए तब उन्होंने उनसे यही कहा था कि अशोक जी राम मंदिर निर्माण कब तक हो पाएगा? एक बार मंदिर निर्माण देख लेते तो जन्म धन्य हो जाता है। आज जब राम मंदिर बन गया है तो उनके गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज समेत अनगिनत संतो को तसल्ली हो रही होगी। सीएम योगी ने कहा कि विरासत के संरक्षण और विकास की यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ी है। देश और दुनिया में रहने वाले सनातनियों, भारतीयों को इस पर गर्व होता है। पांच साल पहले कौन मानता था कि अयोध्या में जन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण हो पाएगा। तब हमारे जैसे कुछ सनातनी ही दृढ़ विश्वास से कहते थे कि श्रीराम मंदिर अवश्य बनेगा और आज मंदिर निर्माण का संकल्प साकार हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि काशी में भव्य विश्वनाथ धाम की परिकल्पना साकार हो गई है। विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी धाम का भव्य स्वरूप साकार हो रहा है। चित्रकूट रामराज्य की परिकल्पना के साकार होने का साक्षी बन रहा है। पांच हजार वर्ष पूर्व जिस शुक्रतीर्थ में पहली बार भगवत कथा हुई थी, उसका गौरव पुनर्स्थापित हो रहा है। नैमिषारण्य को पौराणिक और वैदिक काल के स्वरूप से नई काया में प्रस्तुत किया जा रहा है। आज मानसरोवर मंदिर के पास जहां यह रामलीला हो रही है वहां मंदिर के दर्शन कम भैंस के दर्शन अधिक होते थे। जबकि आज यूपी में मानसरोवर मंदिर सहित एक हजार से अधिक स्थानों का पुनरोद्धार हो चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विजयादशमी के पावन पर्व पर हम अपनी हजारों वर्ष की विरासत को अपने इष्ट के श्रीचरणों में समर्पित कर राज्याभिषेक के रूप में मनाते हैं। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने जब अधर्म, असत्य, अन्याय और अत्याचार के पर्याय रावण का वध किया होगा तो संभवतः इसी तरह सायंकाल रहा होगा। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह गौरव की अनुभूति है कि उन्हें भारत की विरासत से जुड़ी विजयादशमी पर गोरक्षपीठ की तरफ से प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक का अवसर प्राप्त होता है। हजारों वर्षों पूर्व विष्णु भगवान ही धर्म की स्थापना, संतों के उद्धार और मानवता के कल्याण के लिए श्रीराम के रूप में अवतरित हुए थे। जो दुख, कष्ट, षडयंत्र आपके जीवन में रहते हैं, वही श्रीराम के साथ ही होते रहे। पर जीवन पर्यंत वह धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग से विचलित नहीं हुए। जीवन के प्रत्येक पक्ष में मर्यादा का पालन करते हुए उन्होंने रामराज का आधार खड़ा किया। सीएम योगी ने कहा कि विजयादशमी पर एक तरफ जहां श्रीराम का राज्याभिषेक होता है, उनकी आरती उतारी जाती है तो वहीं दूसरी तरफ इस अवसर पर रावण का पुतला दहन भी होता है। इसमें यह संदेश निहित है कि जो भी मानवता के खिलाफ काम करेगा, अत्याचार करेगा, अधर्म और असत्य के मार्ग पर चलेगा उसका ऐसे ही पुतला जलेगा, चाहे वह कोई भी हो। जो धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए मानवता का कल्याण करेगा, विरासत और विकास में सहभागी बनेगा उसकी, श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण और रामभक्त हनुमान के रूप में उसकी पूजा होती रहेगी, अभिनंदन होता रहेगा।

गोरक्षनगरी में 40 फिट के रावण का हुआ दहन, भयंकर चला युद्ध– गूंजता रहा 'जय श्री राम'

संवाददाता–गोरखपुर। रामलीला कमेटी बर्डघाट द्वारा शनिवार को विजयादशमी के दिन रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन किया गया। दिखाया गया कि युद्ध में मेघनाथ का वध होने के बाद रावण घबरा जाता है। इसके बाद सेनापतियों से कहता है 'रथ तैयार करो मैं स्वयं युद्ध लड़ने जाऊंगा'।

साथ रथ पर सवार होकर युद्ध के मैदान में जाता है। प्रभु श्रीराम और रावण के बीच भयंकर युद्ध चलता है। अंत में भगवान राम के तीर से रावण का अंत हो जाता है। श्रद्धालु जय श्री राम के नारे लगाने लगते हैं। इसी बीच रामलीला मैदान बर्डघाट में रखे 40 फिट रावण के पुतले को भगवान राम के द्वारा जलाया जाता है। रावण वध के बाद रामलीला कमेटी के लोगों ने प्रभु श्रीराम की मंच पर पूजा आरती की। थोड़ी देर विश्राम करने के बाद प्रभु के साथ माता सीता व लक्ष्मण रथ पर सवार होकर बसंतपुर चौराहे पर पहुंचे। आगे–आगे अलग–अलग दल के कार्यकर्ता अपने शस्त्र प्रदर्शन और कला का प्रदर्शन कर रहे थे। पीछे–पीछे प्रभु का रथ चल रहा था।

बाइकसवार की हादसे में मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के बानगंगा बैराज पर प्रतिमा विसर्जित कर लौटे युवक की बाइक नेशनल हाईवे की टोल प्लाजा के पास ट्राली से टकरा गई। इससे बाइक सवार युवक की मृत्यु हो गई। मृतक का नाम राजेंद्र गुप्ता पुत्र कमलापति है। वह शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के गोल्हौरा के रहने वाले थे। गनेशपुर बानगंगा चौराहे के आसपास की प्रतिमाएं बानगंगा बैराज पर विजर्जित की जाती हैं। गोल्हौरा में बनी प्रतिमा भी शाम को गाजेबाजे के साथ बानगंगा बैराज पर विसर्जित होने के लिए जाने लगीं। गांव के तमाम युवक पैदल व बाइक से विसर्जन यात्रा में शामिल हुए। रात को प्रतिमा विसर्जित होने के बाद लोग घर वापस आने लगे। राजेंद्र भी अपनी बाइक से गोल्हौरा के लिए चल दिये। गोल्हौरा के पास बने टोल प्लाजा के पहले ब्रेकर पर उनकी बाइक प्रतिमा विसर्जित कर वापस लौट रही ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जा घुसी। मौके पर ही राजेंद्र की मृत्यु हो गई।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों ने तीमारदार को कमरे में बंद कर पीटा, जबरन समझौता भी कराया

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में महराजगंज जिले से अपनी दादी का इलाज कराने आए युवक को 15 से 20 की संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने कमरे में बंद कर बुरी तरह पीटा और कार्यवाही से बचने के लिए जबरन समझौता पेपर पर हस्ताक्षर करा लिया। सीनियर डॉक्टर ने युवक को आरोपितों की पहचान के लिए बुलाया मगर जूनियर डॉक्टर फोन बंद कर गायब मिले। पीड़ित ने गुलरिहा पुलिस को लिखित तहरीर देकर किसी रिश्तेदार की सहायता से स्वास्थ्य मंत्री को फोन कर दिया। जिसके बाद मेडिकल कालेज का माहौल गर्म हो गया, मेडिकल कालेज प्रशासन मामले की जांच कराने जुटा है। जानकारी के मुताबिक महराजगंज जिले के चौक थाना क्षेत्र के भगवानपुर उर्फ भूलना निवासी ऐश्वर्य पति त्रिपाठी की दादी की तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार की शाम बीआरडी मेडिकल कालेज भर्ती कराया गया, जिसे रात दस बजे वार्ड नंबर 5 बेड नम्बर 56 पर शिफ्ट कर दिया गया। ऐश्वर्य का आरोप है कि शनिवार की सुबह साढ़े आठ बजे डॉ शाहनवाज दादी को देखने आए और रिपोर्ट मांगने लगे, पीड़ित ने रिपोर्ट नौ बजे के बाद मिलने की बात कही, इतने सी बात पर डॉ शाहनवाज गाली देने लगे, जिसके बाद कुछ दोनो के बीच कुछ कहासुनी हुई और डॉ शाहनवाज 15 से 20 जूनियर डॉक्टरों को बुलाकर युवक को एक कमरे में ले जाकर बुरी तरह मारा पीटा।

आरोप है कि कार्यवाही से बचने के लिए विभाग के एक सीनियर डॉक्टर ने मेडिकल चौकी पुलिस की मदद से जबरन समझौता करा दिया। पीड़ित युवक अपने परिजनो के साथ गुलरिहा पुलिस को तहरीर दी और एक रिश्तेदार की मदद से स्वास्थ्य मंत्री को घटना की जानकारी दे दी। जिसके बाद मेडिकल क?लेज प्रशासन के हाथ पाव फूलने लगे तो पीड़ित के नंबर पर आरोपितों की पहचान करने के लिए लगातार फोन आने लगा। होना क्या था? जवाब मिला कि जूनियर डॉक्टर नंबर बंद कर दिए है और जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान अलग–अलग जगहों पर हुए हादसे, दो की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो अलग–अलग हृदय विदारक हादसों ने माहौल को गमगीन कर दिया। एक 12 वर्षीय किशोरी की पोखरे में डूबने से मौत हो गई जबकि एक बाइक सवार युवक की ट्रैक्टर ट्राली से टक्कर में जान चली गई। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। खेसरहा थाना क्षेत्र के महुआ गांव निवासी 12 वर्षीय किशोरी की पोखरे में डूबने से मृत्यु हो गई है। वह प्रतिमा विसर्जन देखने गए थी। घटना शनिवार शाम छह बजे की है। महुआ गांव निवासी सुरेंद्र की 12 वर्षीय पुत्री आंचल गांव के लोगों के साथ बगल के गांव सवाडाड़ स्थित पोखरे में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन देखने के लिए गई थीं। किनारे पर वह खड़ी थी कि अचानक पैर फिसला और वह पोखरे में गिर गई। पानी ज्यादा होने से वह पोखरे में डूब गई। साथ के लोगों ने तत्काल पोखरे में छलांग लगा कर उसे पानी से बाहर निकाला। वह उसे सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजन शव लेकर घर चले आये। मृतका के बाबा जुगुन ने पोस्टमार्टम करवाने से इंकार कर दिया। मृतका छह भाई बहनों में दूसरे नंबर की थी। मृतका के पिता दिल्ली रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं। घटना के बाद से स्वजन का रो– रो कर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष खेसरहा चंदन कुमार ने कहा कि घटना की सूचना मिलने पर गया था। मृतका के स्वजन कोई कार्रवाई नहीं चाहते। पंचनामा भरकर शव को स्वजन को सौंप दिया गया है।

मां ने मोबाइल देने से किया इनकार, नाराज छात्रा ने फंदे से लटककर जान दिया

संवाददाता–गोरखपुर। ग्यारह साल की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। छात्रा अपनी मां से मात्र इसलिए नाराज थी कि उन्होंने अपनी बेटी को मोबाइल देने से इंकार कर दिया था।जिस वक्त यह घटना हुई, उस वक्त छात्रा के माता–पिता फैक्ट्री में काम पर गए थे।वापस लौटे तो देखा कि बेटी का शव कमरे में फंदे से लटका हुआ है। यह देख परिवार में कोहराम मच गया। घटना सहजनवा इलाके के पिपरौली देईपार की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को फंदे से नीचे उतारा और जांच–पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दरअसल, पिपरौली बाजार के निवासी हैदर और रुखसाना पिछले 10 साल से देईपार चौराहे पर किराए के कमरे में रह रहे थे। दोनों गीडा इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्ट्री में काम करते हैं। रोजाना की तरह, उन्होंने सुबह अपने बच्चों को नाश्ता कराकर 11 साल की तमन्ना और 3 साल के छोटे बेटे तैमूर को घर पर छोड़कर काम पर चले गए। मां रुखसाना जब दोपहर में खाना बनाने आई, तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। उसने छोटे बेटे को आवाज देकर दरवाजा खुलवाया और कमरे में जाकर देखा कि तमन्ना का शव दुपट्टे से लटका हुआ था। रुखसाना ने तुरंत अपने पति को सूचित किया और आस–पास के लोग भी इकट्ठा हो गए।परिजनों का कहना है कि उनका किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ था। उन्होंने यह भी बताया कि सुबह तमन्ना ने मोबाइल चलाने की मांग की थी, लेकिन मां ने उसे मना कर दिया। तमन्ना पिपरौली बाजार के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 5 की छात्रा थी। उसके पिता गीडा इंडस्ट्रियल एरिया में प्लाई फैक्ट्री में काम करते थे, जबकि मां क्रेजी फैक्ट्री में मजदूरी करती थीं। परिवार में एक और छोटा लड़का तैमूर भी है, जो अभी केवल 3 साल का है।

नीम के पेड़ पर लटकती मिली युवक ने की लाश

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के ओझौली गांव में नीम के पेड़ पर एक युवक की लटकती लाश मिलने से सनसनी फैल गई। अंदाजा लगाया जा रहा है कि शनिवार की रात किसी समय युवक ने खुदकुशी कर ली। 18 वर्षीय युवक का पेड़ से लटकता हुआ शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने मौके से डिटेल इकट्ठा किया।

जय घोष के साथ हुआ मूर्ति विसर्जन

संवाददाता–गोरखपुर। शारदीय नवरात्र के विजयादशमी के दिन शनिवार को देर रात तक विभिन्न दुर्गा पूजा समितियां द्वारा पंडालों से पूजा अर्चना कर माता दुर्गा की प्रतिमा की विसर्जन शोभायात्रा धूमधाम से निकल गई। बैंड बाजा नगाड़ा डीजे की धुन पर नाचते हुए श्रद्धालु भक्ति गीतों के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। धीरे–धीरे शोभायात्रा राजघाट राप्ती नदी पर बने कृत्रिम घाट पर पहुंची जहां माता जगत जननी की आरती उतार कर प्रतिमा का विसर्जन जय घोष के साथ किया गया।

विसर्जन का सिलसिला सुबह से लेकर देर रात तक जारी रहा। शहर की कालीबाड़ी, रेलवे बालक इंटर कॉलेज, लोको ग्राउंड ,रेलवे स्टेशन इत्यादि की दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

अचानक चलती हुई बाइक में हुआ विस्फोट, धमाका सुन मचा हड़कंप, दो घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाने के कोटिया चौकी क्षेत्र के सिंहोरवा में सुबह करीब 10 बजे विस्फोट होने से बाइक सवार दो नेपाली युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का नाम नेपाल के महराजगंज निवासी 19 वर्षीय राहुल गुप्ता पुत्र राम विलास गुप्ता व 20 वर्षीय दुर्गेश है। दोनों युवक एक बाइक से सिंहोरवा के रास्ते नेपाल जा रहे थे। तभी सिंहोरबा गांव में बाइक में रखा कुछ विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के गांव में भी सुनाई दिया। जहां विस्फोट हुआ वहां की दीवारें दरक गईं। विस्फोट से नल की चहारदीवारी भी भरभरा कर गिर गई। बाइक से जब विस्फोट हुआ तो बाइक सवार दोनों युवक बाइक से काफी दूर जाकर गिरे। बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। बाइक के पास एक बोरी मिली है, जिसमें गुटखा, सुर्ती और एक नेपाली नंबर प्लेट रखा गया था। नेपाल कपिलवस्तु के दो युवक कोटिया बाजार की तरफ से कुछ विस्फोट सामग्री बाइक से लेकर नेपाल की तरफ जा रहे थे। वह नेपाल सीमा के सिंहोरवा गांव में

पहुंचे तभी विस्फोट हो गया। बाइक सवार राहुल घायल हो गया और उसके पैर का मांस गायब हो गया।

सीने व हाथ में भी घाव हो गया। चेहरा भी झुलस गया। लोगों ने दोनों घायलो को सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया। चिकित्सक डा राकेश मौर्या ने राहुल की स्थिति गंभीर देख माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज भेज दिया। दूसरे घायल की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। ग्रामवासी रामभवन चौरसिया, राम मोहित आदि ने कहा कि विस्फोट इतना तेज हुआ कि तीन घर की दीवारों में दरार पड़ गई। नल की चहारदीवारी भरभरा कर गिर गई। पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। लोग तरह तरह की चर्चाएं करने लगे।गांव वालों का कहना है कि अगर पटाखे की आवाज होती तो दीवार में दरार नहीं पड़ती है। सिंहोरवा में विस्फोट इतना तेज था कि आस–पास के दो चार गांव में सुनाई दिया। सिंहोरवा से दो किमी दूर बढ़नी लाला गांव तक भी आवाज गई। लोग दहशत में आ गए। इतने में लोगों की वहां भीड़ जमा होने लगी।

तुम्हारे चेस्ट पर टैटू है दिखाओ,छात्रा को डिजिटल अरेस्ट कर उतरवाए कपड़े, अब कर रहे ब्लैकमेल

संवाददाता–गोरखपुर। धोखाधड़ी करने वालों ने लोगों से ठगी करने का नया तरीका निकला है। ठग फर्जी फोन कॉल करके लोगों लोगों को धमकाते हैं। कई बार वीडियो कॉल करके उनकी वीडियो क्लिप बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर देते हैं। ऐसा ही एक मामला यूपी के गोरखपुर से सामने आया है। यहां एमएमएमयूटी में पढ़ने वाली एक छात्रा को जालसाजों ने डिजिटल अरेस्ट कर लिया। फोन कर पहले लोन न अदा करने पर केस दर्ज होने का हवाला देकर 38 हजार रुपये वसूले। फिर शरीर पर टैटू होने की बात कहकर उसके कपड़े उतरवाकर फोटो ले लिया। जालसाज अब फोटो के जरिए छात्रा को ब्लैकमेल कर रहे हैं। कैंट थाना पुलिस ने शनिवार को छात्रा की तहरीर पर केस दर्ज किया।

छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह नागालैंड के दीमापुर जिले की रहने वाली है। वह एमएमएमयूटी में पढ़ाई कर रही है और सरकारी हॉस्टल में ही रहती है। गत 10 अक्तूबर को 11.30 बजे उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि वह एसबीआई से बोल रहा है, आपने एक लाख रुपये का लोन लिया है, जिसे जमा नहीं किया है। इस वजह से आपके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। छात्रा ने कहा कि उसने कोई लोन नहीं लिया है। इसके थोड़ी देर बाद फिर डिजिटल कॉल कर खुद को हैदराबाद पुलिस से बताया। वर्दी में दिख रहे शख्स ने बताया कि आप के खिलाफ हैदराबाद के थाने में केस दर्ज किया गया है। मामला सुलझाने के लिए 38 हजार 132 रुपये की मांग की गई। डरी होने की वजह से उसने रुपये भेज दिए। इसके बाद फिर वीडियो कॉल आई और कहा कि तुम्हारे चेस्ट और आई पर टैटू है, दिखाओ। धमकाकर कपड़े उतरवा दिए। इसके बाद उसकी तस्वीर ले ली और उसके बदले एक लाख रुपये और मांगने लगे। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा कर कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com